

BHILWARA SPINNERS LTD.

CIN L17115RJ1980PLC008217

Regd. Office: 26, Industrial Area, Post Box No. 6, Gandhi Nagar, Bhilwara-311 001 (Rajasthan) India

Ph : 01482 246601 Fax : 01482 246461

Email : bhilspinbs@gmail.com, website: www.bhilspin.com

November 27, 2023

To,
The Manager
Department of Corporate Services
BSE Limited
PhirozeJeejeebhoy Towers
25th Floor, Dalal Street
MUMBAI- 400 001 .

Scrip Code: 514272

Sub: Submission of copy of Newspaper cutting of Notice of Extra-ordinary General meeting.

Dear Sir/Madam,

In term of Regulation 30 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulation 2015, please find enclosed copies of newspaper Advertisement regarding Notice of Extra-ordinary General meeting published on 26th November, 2023 in Daily Lok Jeevan in Hindi Language and Financial Express in English language.

Kindly take the same on record

Thanking You,
Yours Faithfully,
For Bhilwara Spinners Limited

ANJALI JAIN

Digitally signed by ANJALI JAIN
DN: cn=ANJALI JAIN, o=Bhilwara Spinners Limited, email=anjali.jain@bhilspin.com, c=IN
c=IN, o=Bhilwara Spinners Limited, email=anjali.jain@bhilspin.com, c=IN
Reason: I am the signer of this document.
Unique ID: 2023.11.27.15:49:43 +05'30'

(Anjali Jain)
Company Secretary & Compliance Officer

Encl.: As Above.

financial.epa.gov

आज का विचार

किसने किसे मतदान किया यह गोपनीय जानकारी है लेकिन जो कोई खुद के पक्ष को ठोस तरीके से रखकर इंगित करता है तब संकेत जरूर मिलने लगते हैं कि किसका पलड़ा भारी है। (शिवकुमार त्रिवेदी चिंतन सरिता)

दैनिक

दैनिक
लोकजीवन

फैसला ईवीएम में ...

पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव में से चार राज्यों के विधानसभा चुनाव सम्पन्न हो गये। इनमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के बाद शेष रहे मिजोरम में 30 नवम्बर को मतदान होना है। मतदान लोकतंत्र का विशेष पर्व है जिसमें सभी मतदाता उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपने प्रतिनिधि का चयन करते हैं और अगले पाँच साल के लिए अपना भविष्य लिख देते हैं इसे विडम्बना भी कहा जा सकता है कि मतदाता की पूछ मतदान करने तक ही होती है ज्यों ही मतदान किया किसी का कोई लेना-देना नहीं रह जाता है। नेताओं को तो जाना ही इसी स्वभाव के कारण है कि वोट लेने तक न केवल आपके आगे हाथ जोड़ खड़े रहे हैं। परन्तु निर्वाचित होते ही आपसे उनका कोई रिश्ता नहीं रह जाता। कई क्षेत्रों के लोग तो विज्ञापन तक निकालते हैं कि हमारे जनप्रतिनिधि की तलाश है। तो मतदाताओं की भी स्थिति ऐसी है कि छोटे-मोटे लालच में आकर भी वोट का सौदा कर देते हैं। कि वैसे मतदान करने से उन्हें कुछ मिलने वाला तो है नहीं। यदि कोई उम्मीदवार या पार्टी उन्हें कुछ देर रही है तो उसे ग्रहण करने में क्या बुराई है। जबकि मत के अधिकार का उपयोग बहुत सोच समझ कर ही किया जाता है मतदाता इतना परिपक्व है कि कितने ही उम्मीदवार क्यों न भाग्य आजमा रहे हो। उनमें से सर्वश्रेष्ठ का चयन कर लेता है और गोपनीयता का ही चमत्कार है कि पति पत्नी को भी आपस में पता नहीं रहता कि किसने किसे वोट दिया।

राजस्थान की जनता ने 25 नवम्बर को भाग्य का फैसला कर ईवीएम में बंद कर दिया। मतगणना से पहले आंकलन विश्लेषण ही किया जाना है। जनता ने 1863 प्रत्याशियों का भाग्य तय कर वोटिंग मशीनों में सुरक्षित रख लिया है। 16वीं विधानसभा के लिए सम्पन्न चुनाव में सवा पांच करोड़ से अधिक मतदाताओं ने 1863 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कर दिया। चुनाव में भले ही भाजपा-कांग्रेस के बीच ही मुकाबला हुआ। लेकिन जिन 199 सीटों पर शनिवार को मतदाताओं ने मतदान किया। उनमें 108 सीटों पर भाजपा-कांग्रेस में सीधा मुकालबा है। वहीं 80 स्थानों पर त्रिकोणीय तथा 11 पर बहुकोणीय मुकालबा रहा। आरएलपी गठबंधन, बसपा, आप, भारत आदिवासी पार्टी के अलावा बड़ी संख्या में बागी उम्मीदवार जीत हार को तय करेंगे या नहीं लेकिन मूल पाटी के सीमकरण अवश्य बिगाड़ रहे थे। प्रदेश के चुनाव में पहली बार 8 वर्तमान सांसदों को विधानसभा के लिए चुनाव मैदान उतारा गया है। जिनमें सात भाजपा तथा एक आरएलपी शामिल है। मतदाताओं ने भाग्य लिख दिया और 3 दिसम्बर को वास्तविक परिणाम सामने आ जायेंगे। आवश्यकता इस बात की है। जनानदेश का सम्मान किया जाय तथा मतदाता भी यह नहीं भूले कि उन्हीं के वोट से जनप्रतिनिधि चुनकर गया है।

कड़वी घूंट

-सूरज

मोबाईल नहीं दिया तो...

आदत कोई भी हो न केवल स्वभाव बन जाती है बल्कि वह व्यक्तित्व पर भी भारी पड़ने लगती है दूसरों शब्दों में अति हर चीज की बुरी होती है इसलिए जरूरत के अनुसार ही काम करना व्यक्तित्व को निखारती जबकि आदत विवश करने लगती है कि सब काम छोड़कर भी उसी पर ध्यान केंद्रित रखे। जब अति होने लगती है तब पता ही नहीं चलता कि उसने हमें नशे की रतह जकड़ लिया है।

विपरीत इसके बच्चों को बचपन से ही लत लग जाती है अभिभावक आरंभिक दौर में तो इसे गंभीरता से नहीं लेते चाहे अपनी गरज से या मोह वश बच्चों की मांग को पूरी करते रहते हैं जो इस स्थिति में पहुंच जाती है बच्चे प केवल शव लोगों से ही कट जाते हैं बल्कि मांग पूरी न होने पर घातक कदम उठाने से भी नहीं चूकते। हां बच्चों में मोबाईल की लत अभिभावकों द्वारा उन्हें व्यक्त रखने की गाज से लगादी जाती और जब लत लग जाय तो आप कितना ही प्रयास करो लत छूटती नहीं है इसक्रम में इंदौर शहर का मामला उल्लेखनीय है जहां एक महिला ने अपनी 16 साल की बेटी को मोबाईल फोन का इस्तेमाल करने से रोका तो लड़की ने फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। अब यह आप जानो कि पहले तो खुद ही उन्हें मोबाईल के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करो ओर लत लग जाये तब उन्हें छुड़ाने की कोशिश करो तो ऐसा ही कदम उठाया जाना चिंता का विषय है।

राजस्थान में धुवीकरण के असर से कई जगहों पर बंपर वोटिंग

लोकजीवन न्यूज नेटवर्क, जयपुर

राजस्थान में मतदान हो चुका है। अब तीन दिसंबर को आने वाला नतीजा बताएगा कि रिवाज बदलता है या कायम रहता है। कई सीटों पर ध्रुवीकरण का असर रहा, जिसके चलते कई जगहों पर बंपर वोटिंग हुई। राजस्थान में इस

धार्मिक ध्रुवीकरण का कार्ड चला

बीजेपी के प्रचार में सबसे ज्यादा जोर टुष्टीकरण के मुद्दे पर रहा। कन्वेंश्यालाल का हत्या का ज़िं पीएम से लेकर नराम बीजेपी नेताओं ने किया। इसका असर वोटिंग पर साफ नजर आया। धार्मिक ध्रुवीकरण में फंसी सीटों पर रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग हुई।

जातियों की लड़ाई दिखी

राजस्थान में इस बार के चुनाव में एक बड़ी लड़ाई गुर्जर वोटों पर कब्जे की भी रही। प्रचार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और उनके पिता राजेश पायलट के साथ कांग्रेस में हुए व्यवहार को मुद्दा बनाया। इसके जवाब में सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा राज के समय हुए गुर्जर आंदोलन के दौरान गोलीबारी और 72 गुर्जरों की मौत की याद दिलाई।

धर्म की लड़ाई भी नजर आई

भाजपा ने प्रचार में कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न और पेपर लीक को मुद्दा तो बनाया। लेकिन सबसे ज्यादा फोकस हिन्दुत्व के आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण था। पार्टी के स्टार प्रचारकों ने अपने भाषणों में खूबकर इसकी बात की।

किसी भी मुस्लिम को टिकट नहीं

पार्टी ने इस बार के चुनाव में भी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया। वसुंधरा राजे के नजदीकियों में से कई को टिकट को मिल गया, लेकिन उनके सबसे विश्वस्त रहे पूर्व मंत्री युनूस खान को टिकट नहीं मिल पाया। स्थिति यह तक देखने में आई कि एक प्रत्याशी अभिषेक सिंह, जिसे मसूदा से टिकट मिला था। उसके बारे में भी जब यह पता चला कि यह मूल रूप से मुस्लिम हैं तो उनका टिकट बदल दिया।

भगवाधारियों को टिकट

पार्टी ने तीन संतों को टिकट दिए। इनमें पोकरण से महंत प्रतापपुरी, हवामहल से हाथेज धाम के महंत बाल मुकुंददाचार्य और तिजारा से नाथ सम्प्रदाय से जुड़े बाबा बालकनाथ। इनमें से प्रतापपुरी और बालकनाथ के सामने कांग्रेस की ओर से मशः सलेह मोहम्मद और इमरान खान के रूप में मुस्लिम प्रत्यायी चुनाव लड़ रहे हैं।

योगी से कराई बीस से ज्यादा सभाएं

पाटी के सबसे बड़े हिन्दुत्ववादी चेहरों में शामिल उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछले पांच दिन में प्रदेश में बीस से ज्यादा सभाएं की हैं। तिजारा से प्रत्याशी बाबा बालकनाथ का नामांकन कराने के लिए भी योगी आए थे। उनकी सभाएं भी ज्यादातर उन क्षेत्रों में कराई गईं, जहां या तो सामने मुस्लिम प्रत्याशी हैं या जहां मुस्लिम मतदाता अच्छी संख्या में हैं। जैसे सूरसागर, तिजारा, डीडवाना, सीकरी और भरतपुर आदि। वहीं, नेताओं की सभाएं हों या प्रेसवार्ता हर जगह उदयपुर के कन्हैयालाल की जिहादियों द्वारा गला काटकर हत्या किए जाने का मामला जरूर उठाया गया।

कांग्रेस गारंटियों के भरोसे रही,

અસર વોટિંગ પર મી દિહ્વા

दूसरी तरफ कांग्रेस के लिए यह कैपेन पूरी तरह वादों और गारंटियों का रहा, जिसके दम पर वह कर्नाटक में चुनाव जीती थी। हालाँकि, कर्नाटक चुनावों के वक्त भी तमाम सर्वे और सट्टा बाजार की रिपोर्ट बीजेपी के पक्ष में ही बताई जा रही थी। लेकिन नतीजों ने सबको चौंका दिया। राजस्थान में इस बार का चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की लोक लुभावन गारंटियों और जातिगत

बार 75.45 फीसदी मतदान हुआ है। लेकिन जिस तरह से साइलेंट वोटिंग इस बार हुई है, उसे देखते हुए यह माना जा रहा है कि करीब 50 से ज्यादा सीटें ऐसी होंगी, जिन पर जीत-हार का अंतर दो हजार से कम वोटों का हो सकता है। चुनाव की बात करें तो यहां सीएम

अशोक गहलोत की गारंटियों और जातिगत जनगणना के वादों का मुकाबला मोदी के हिन्दुत्व और पेपर लीक के मुद्दों के बीच चला। हालांकि, स्थानीय विधायक की छवि को लेकर भी चुनाव की वोटिंग पर काफी असर देखने को मिला।

મોદી બનામ ગહલોત

चुनाव की सबसे बड़ी बात यह भी रही कि इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के चेहरों के बीच मुकाबला होता दिखा। मोदी और गहलोत दोनों ने ही जनता से अपील की है कि वे स्थानीय प्रत्याशी को भूल जाएं और उन्हें देख कर वोट दें। मोदी ने मतदाताओं से कहा है कि उनका दिया एक वोट सीधे मुझ तक पहुंचेगा। वहीं गहलोत ने कहा है कि सभी 200 सीटों पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं। यानी मतदाताओं से अन्य मुद्दों के साथ ही देश में पिछले साढ़े नौ साल में हुए काम और राजस्थान में पिछले पांच साल के दौरान हुए काम और नए वादों के आधार पर भी वोट मांगे गए हैं।

इस बार सिर्फ वादे नहीं गारंटी

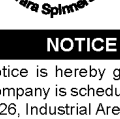
इस चुनाव का बजटर्ड यानी सबसे चर्चित शब्द गारंटी है। कांग्रेस ने देश के विभिन्न राज्यों में हुए चुनावों में इस गारंटी शब्द का जमकर इस्तेमाल किया है और यहाँ भी यही किया गया है। चुनाव की घोषणा से पहले गृहलोक में मंहगाई राहत कैम्प लगा कर दस गारंटियाँ दी और चुनाव घोषित होने के बाद सात गारंटी और दे दी। वहीं, इसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा कि उनका नाम और चेहरा काम होने की गारंटी की गारंटी है, यानी जनता ने उन पर भरोसा किया तो जो वादे किए गए हैं, वे हर हाल में पूरे होंगे।

हिन्दुत्व की काट में लाए जातिगत जनगणना का मुद्दा

भाजपा की ओर से हिन्दुत्व का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया और पार्टी ने अलग-अलग तरह से प्रदेश के बहुसंख्यक हिन्दु मतदाताओं को यह संदेश देने की कोशिश की कि उनके हित सिर्फ भाजपा सरकार में सुरक्षित रह सकते हैं। इसके लिए मुस्लिम नेताओं को टिकट नहीं देने से लेकर प्रमुख हिन्दुत्ववादी चेहरों से धुआँधार प्रचार कराने तक के प्रयोग किए गए। इसकी काट के तौर पर कांग्रेस ने जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया। कांग्रेस को भरोसा है कि जातिगत जनगणना का मुद्दा बीजेपी के धरुवीकरणी काट काट करेगा।

जनगणना जैसे बड़े वादे तथा प्रधानमंत्री मोदी के हिन्दुत्व तथा गृहलोत सरकार पर पेपर लीक, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न के आरोपों जैसे मुद्दों पर हो रहा

है। यह चुनाव न सिर्फ राजस्थान में नई सरकार चुनेगा, बल्कि 2024 में होने वाले देश के आम चुनाव की दिशा भी तय करेगा।

	Bhilwara Spinners Limited CIN: L17115RJ1980PLC008217 Registered Office: 26 Industrial Area, Post Box No.6, Gandhi Nagar, Bhilwara - 311 001 (Rajasthan) Phone: + 91-1482-246601 Fax +91-1482-246461 E-mail: bhlspins@gmail.com, Web: www.bhlspin.com
NOTICE OF EXTRA ORDINARY GENERAL MEETING	
Notice is hereby given that the Extra Ordinary General Meeting (EGM) of the Company is scheduled to be held on Saturday, 16th December, 2023 at 11:00 A.M. at 26, Industrial Area, Gandhi Nagar, Bhilwara - 311 001, (Rajasthan) in compliance with applicable provisions of the Companies Act, 2013 and rules framed there under and the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 to transact the business as set out in the notice calling Extra Ordinary General Meeting of the Company which has been dispatched through email to the members of the company.	
The company has completed the electronic dispatch of the notice of EGM on Friday, 24th November, 2023 to the members of the company whose email is registered with the RTA, the same will be available on the website of the Company at www.bhlspin.com and will also be available on the website of stock exchange i.e., BSE Limited at https://www.bseindia.gov/.	
Pursuant to the provisions of section 108 of the Companies Act, 2013 and Rule 20 of the companies (Management and Administrations) Rules, 2014 as amended from time to time and the provisions of Regulation 44 of the Listing Regulations, the members are provided with the facility to cast their vote electronically, through remote E-voting services provide by NSDL on all special business set forth in the notice calling EGM. The Board of Directors has appointed R. K. Jain, Practicing Company Secretary as scrutinizer for conducting the remote E-voting services and voting at the EGM in fair and transparent manner. The voting rights of Members shall be in proportions to the	
MEMBERS ARE HEREBY REQUESTED TO NOTE THAT: 1. The meeting will be held on Saturday, 16th December, 2023 at 11:00 A.M. and ends on Friday, 15th December, 2023 at 5:00 P.M. The remote e-voting end not be allowed beyond the prescribed date mentioned above. 2. Any member whose name is recorded in the Register of Members Beneficially Held as on the cut-off date i.e., Saturday, 09th December, 2023 shall be entitled to avail the facility of Remote e-voting and attend the EGM. A person who ceases to be a member as on Cut-off date should give Notice for information purpose only. 3. Members who have cast their vote by remote e-voting may attend the EGM. It shall not be entitled to cast their vote again. The member, who are notified to have not exercised their right to vote through remote e-voting, may visit the EGM. 4. Shareholder who becomes the member of the company after dispatch of the notice calling EGM and holding shares as on the cut-off date i.e., Saturday, 09th December, 2023 may also attend the EGM. However, it is recommended depending on the prevailing market like, if the detailed procedure in obtaining the sharehold would is also provided in the notice of EGM. 5. The meeting shall be Saturday, 09th December, 2023. 6. The details name of the shareholder, address etc. is subject to change.	THE MEMBERS ARE REQUESTED TO NOTE THAT: 1. The meeting will be held on Saturday, 16th December, 2023 at 11:00 A.M. and ends on Friday, 15th December, 2023 at 5:00 P.M. The remote e-voting end not be allowed beyond the prescribed date mentioned above. 2. Any member whose name is recorded in the Register of Members Beneficially Held as on the cut-off date i.e., Saturday, 09th December, 2023 shall be entitled to avail the facility of Remote e-voting and attend the EGM. A person who ceases to be a member as on Cut-off date should give Notice for information purpose only. 3. Members who have cast their vote by remote e-voting may attend the EGM. It shall not be entitled to cast their vote again. The member, who are notified to have not exercised their right to vote through remote e-voting, may visit the EGM. 4. Shareholder who becomes the member of the company after dispatch of the notice calling EGM and holding shares as on the cut-off date i.e., Saturday, 09th December, 2023 may also attend the EGM. However, it is recommended depending on the prevailing market like, if the detailed procedure in obtaining the sharehold would is also provided in the notice of EGM. 5. The meeting shall be Saturday, 09th December, 2023. 6. The details name of the shareholder, address etc. is subject to change.